लखनऊ, भोपाल, जयपुर, आगरा, गोण्डा, सुल्तानपुर, अमेठी और फैज़ाबाद में प्रसारित

हिन्दी व अंग्रेज़ी साप्ताहिक समाचारपत्र

खुशी समय

KHUSHI SAMAY

RNI No.: UPBIL/2012/46720

HINDI & ENGLISH WEEKLY NEWSPAPER

LUCKNOW

● वर्ष 3 ● अंक 13 | लखनऊ, रविवार 11 जनवरी 2014 | पृष्ठ - 8 मूल्य -2 रुपये

दिल्ली चुनाव से पहले कांग्रेस अध्यक्ष बन सकते हैं राहुल

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी को पार्टी अध्यक्ष पद पर प्रोन्नत किया जा सकता है। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में राहुल को अध्यक्ष बनाए जाने की प्रबल संभावना है। मोदी सरकार के भूमि अधिग्रहण अध्यादेश के खिलाफ सड़क पर उतरने को तैयार राहुल को इस फैसले के जरिये और ताकत व कार्यकर्ताओं को संकेत देने की कोशिश है।

दिल्ली आयोग की बैठक खत्म, चुनाव की तारीख का ऐलान फिलहाल नहीं

होने वाली कार्यसमिति की बैठक में सदस्यों के अलावा स्थायी आमंत्रित सदस्यों को भी बुलाया गया है। वैसे तो कार्यसमिति का एजेंडा वर्तमान राजनीतिक हालात हैं, लेकिन सूत्रों का कहना है कि असली एजेंडा राहुल गांधी को और मजबूत करने का है। दरअसल, पार्टी नेतृत्व में स्पष्टता न होने के कारण पार्टी लगातार अलग-अलग सुर में बोलती दिख रही है। इतना ही नहीं, कांग्रेस उपाध्यक्ष के खिलाफ कई धड़े लामबंद हो रहे हैं। कांग्रेस में अनुशासन के जरिए राहुल राज लोकसभा चुनाव में परास्त कांग्रेस को लगातार चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी हार का सामना करना पड़ा है। अब दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी उसकी हालत पस्त है। दिल्ली में जीते कोई भी, लेकिन हार कांग्रेस की तय मानी जा रही है। माना जा रहा है कि इसके बाद राहुल गांधी के खिलाफ विरोध के सुर और तेज होंगे। सूत्रों के मुताबिक, इससे पहले ही पार्टी में उनके खिलाफ बगावत के सुरों को दबाने के लिए टीम राहुल उन्हें अध्यक्ष बनाए जाने के सुर बुलंद कर चुकी है। अध्यादेश के सहारे जमीन तलाश रही कांग्रेस कांग्रेस महासचिव व राहुल के करीबी दिग्विजय सिंह पहले ही राहुल लाओ का झंडा बुलंद कर चुके हैं। पिछली बार भी राहुल के उपाध्यक्ष बनने से पहले औपचारिक तौर पर दिग्विजय ने ही यह राग छेड़ा था। इतना ही नहीं, राहुल के थिंकटैंक के प्रमुख सदस्य ने भी साफ कहा,इंतजार का एक वक्त होता है। राहुल की ताजपोशी के लिए इससे बेहतर समय नहद्ध हो सकता है।



अब महिला कांग्रेस की अध्यक्ष शोभा ओझा ने भी औपचारिक तौर पर इस फैसले की तरफ इशारा किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी में राहुल गांधी निर्विवाद रूप से नंबर दो नेता हैं। जहां तक उनके अध्यक्ष बनने के बात है तो पार्टी में चुनाव लंबित है। वैसे कांग्रेस के एक धड़े का मानना है कि टीम राहुल ने उपाध्यक्ष की प्रोन्नति को हवा इसलिए भी दे रखी है, ताकि उनके नेतृत्व के सवाल को हमेशा के लिए खत्म कर दिए जाएं।

दिल्ली में स्वाइन फ्लू से तीसरी मौत, पांच नए मामले

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में स्वाइन फ्लू से एक और मरीज (महिला) की मौत हो गई। वह आरएमएल अस्पताल में भती थी। दिल्ली में पिछले तीन दिनों में स्वाइन फ्लू से मौत का यह तीसरा मामला है। वहीं, पांच नए मामलों की पुष्टि भी हुई है, जिसमें दो बच्चे शामिल हैं। आरएमएल अस्पताल के मुताबिक 38 वर्षीय महिला को चार जनवरी को भर्ती किया गया था। उसे आइसोलेशन वार्ड में वेंटिलेटर के सहारे रखा गया था, उसकी मौत हो गई। महिला उत्तम नगर के मनसा राम पार्क में रहती थी। उसे सांस का संक्रमण भी था। उत्तम नगर में स्वाइन फ्लू की चपेट में आने से अब तक दो महिलाओं की मौत हो चुकी है, जबकि पूर्वी दिल्ली में एक युवक की मौत हुई थी। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य निदेशालय के अनुसार पांच नए मामलों में दो बुजुर्ग, 52 वर्षीय पुरुष, दो साल का लड़का व चार साल की लड़की शामिल है। लड़के का इलाज आरएमएल में और लड़की का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है। जनवरी में अब तक स्वाइन फ्लू के 35 मामले सामने आ चुके हैं, जिसमें से 21 मामलों की पुष्टि तीन दिन में हुई है। पिछले महीने दिसंबर से लेकर अब तक 47 मामले सामने आ चुके हैं।

मैक्स अस्पताल के पीडियाटिक्स विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिशिर पॉल का कहना है कि स्वाइन फ्लू किसी को भी हो सकता है, लेकिन बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं या पहले से पीड़ित किसी व्यक्ति को ज्यादा खतरा रहता है। ऐसे लोगों की प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। इस बीमारी से बचाव के लिए छह महीने से अधिक उम्र के बच्चों को टीका लगाया जा सकता है। लोगों को भीड़भाड़ वाले इलाकों में जाने से परहेज करना चाहिए। हाथ को साबुन से साफ रखना चाहिए। पिछले छह साल से दिल्ली में स्वाइन फ्लू फैल रहा है। वर्ष 2014 के मुकाबले इस बार यह ज्यादा खतरनाक है। हालांकि स्वास्थ्य निदेशालय के अधिकारी कह रहे हैं कि लोग घबराए नहीं, हालात नियंत्रण में है। दिल्ली सरकार के प्रमुख स्वास्थ्य सचिव एससीएल दास खुद मामलों पर नजर रखे हुए हैं। फिर भी तीन दिनों में जिस तरह से स्वाइन फ्लू का संक्रमण बढ़ा है, उससे लोगों में दहशत होना लाजमी है। स्वास्थ्य निदेशालय के आंकड़ों के अनुसार 2014 में स्वाइन फ्लू के कुल 38 मामले सामने आए थे, किसी मरीज की मौत नहद्ध हुई थी। इस साल अब तक 35 मामलों की पुष्टि हो चुकी है और तीन लोगों की मौत भी हो गई है।

जम्मू-कश्मीर में लगा राज्यपाल शासन

श्रीनगर। पीडीपी, भाजपा और नेकां के बीच गठजोड़ को लेकर सत्रह दिनों चली खद्दचतान और किसी भी दल द्वारा सरकार बनाने का दावा न किए जाने के बाद शुक्रवार को राज्य में एक बार फिर राज्यपाल शासन लागू हो गया और यह आठ जनवरी से प्रभावी होगा।



बीते सात सालों में यह दूसरा मौका है जब जम्मू-कश्मीर में राज्यपाल शासन लागू किया गया है। इससे पूर्व 11 जुलाई 2008 को तत्कालीन मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद द्वारा इस्तीफा दिए जाने के बाद राज्यपाल शासन लागू हुआ था। उस समय भी राज्यपाल के पद पर एनएन वोहरा ही थे।पिछले सप्ताह से ही कयास लगाया जाने लगा था कि अगर 19 जनवरी तक राज्य में सरकार का गठन नहद्ध हुआ तो जम्मू-कश्मीर में राज्यपाल शासन लागू किया जा सकता है, लेकिन गत मंगलवार को कार्यवाहक मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राज्यपाल से भेंट कर उन्हें खुद को कार्यमुक्त किए जाने का आग्रह किया था।

लोगों को उम्मीद नहद्ध थी कि उमर ऐसा करेंगे। उन्होंने राज्यपाल से कहा था कि 24 दिसंबर को उनके आग्रह पर ही उन्होंने सरकार के गठन तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी निभाना स्वीकार किया था। लेकिन मौजूदा हालात में बतौर कार्यवाहक मुख्यमंत्री रहते हुए लोगों की समस्याओं को हल करने में असमर्थ हैं। इसलिए उन्हें इस जिम्मेदारी से मुक्त किया जाए। उमर से भेंट के बाद राज्यपाल एनएन वोहरा ने विभिन्न दलों के साथ बैठकों से संबंधित एक रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंप दी थी।

अपनी रिपोर्ट में उन्होंने राज्य में राज्यपाल शासन लागू करने, उसकी अवधि व अन्य विकल्पों का भी ब्योरा दिया। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में बताया कि 12वद्ध विधानसभा के गठन के लिए हुए चुनावों में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहद्ध मिला है और न गठबंधन सरकार को लेकर संबंधित दलों में कोई समझौता हो रहा है।राज्यपाल की रिपोर्ट को केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने गत रात ही प्रधानमंत्री कार्यालय को भेज दिया था। शुक्रवार दोपहर बाद केंद्र सरकार की सहमति और राष्ट्रपति से मिली मंजूरी के बाद राज्यपाल एनएन वोहरा ने जम्मू-कश्मीर में संविधान के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल शासन लागू कर दिया।

उल्लेखनीय है चुनाव परिणामों में पीडीपी को 28, भाजपा को 25, नेकां को 15, कांग्रेस को 12, पीपुल्स कांफ्रेंस को दो, माकपा और पीडीएफ के अलावा एआइपी को एक-एक सीट मिली, जबकि दो सीटों पर निर्दलीय जीते हैं। सरकार बनाने के लिए 44 सदस्य अनिवार्य हैं, लेकिन कोई भी दल आपस में गठजोड़ कर इस आंकडेद्ध पर नहद्ध पहुंचा। हालांकि सरकार के गठन के लिए लगभग एक सप्ताह का समय और था, लेकिन उमर द्वारा इस्तीफा दिए जाने के बाद राज्यपाल शासन के अलावा कोई अन्य विकल्प नहद्ध रह गया था।

Ramagya Distributors Pvt. Ltd.
(Deals in Writing and Printing Papers)
Gwynne Road ,Aminabad ,Lucknow
Phone:0522-4001081,9415018235
We Deal In : *All Writing and Printing Paper Solutions
*Call For Printing and Writing Paper Solutions.

KHUSHI FOUNDATION
Smile for Every Face
C-695,Ist Floor,Sector-6,Indira Nagar,Lucknow-226016,
www.khushifoundation.net

मजदूरी व राशन का भी आधार बनेगा 'आधार'

आगरा। अगर आपके पास आधार कार्ड नहीं है, तो इसे फौरन बनवा लें। क्योंकि जल्द ही मजदूरी, राशन और छात्रवृत्ति में भी आधार कार्ड की जरूरत पड़ेगी। आधार कार्ड न होने पर मुश्किलें बढ़ जाएंगी। ऐसी दिक्कतों से बचाने के लिए शासन ने डीएम को दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिससे विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने वाले लोगों के पास आधार कार्ड हो।

घरेलू गैस सिलेंडर में आधार कार्ड के बाद अब शासन ने डीएम को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिसमें कहा गया है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), सार्वजनिक वितरण प्रणाली, विधवा व विकलांग पेंशन, दशमोत्तर कक्षाओं की छात्रवृत्ति में भी आधार की अनिवार्यता लागू कर दी है। यानि मजदूरों, विधवाओं व विकलांगों और छात्र-छात्राओं से जल्द ही आधार कार्ड मांगे जाएंगे। जिससे इनके बैंक खाता को आधार कार्ड से लिंकअप कर दिया जाएगा। ऐसे में इन योजनाओं में होने वाले फर्जीवाड़े पर भी अंकुश लगेगा।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राजकुमार ने बताया कि हर दिन जिले के विभिन्न क्षेत्रों में शिविर लगाकर आधार कार्ड का रजिस्ट्रेशन हो रहा है।

ये है वेबसाइट : डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट यूआइडीएआइ डॉट जीओवी डॉट इन हेल्प लाइन नंबर:18001801947

कर सकते हैं। ईमेलः एचईएलपी एट द रेट यूआइडीएआइ डॉट जीओवी डॉट इन

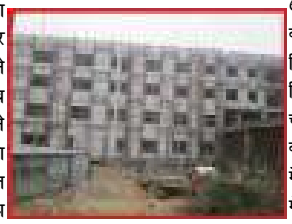
अब निकाय कर्मियों को दूसरे कार्यों से निजात

इलाहाबाद । नगर निकाय कर्मियों के लिए राहत की बात है। अब मंडल और जिला प्रशासन उन्हें विभाग से इतर किसी अन्य कार्य में नहीं लगा सकेगा। नगर आयुक्तों को भी छोटी-मोटी बैठकों में कमिश्नर और डीएम नहीं बुला सकेंगे। इस संबंध में मुख्य सचिव आलोक रंजन ने स्पष्ट आदेश जारी कर दिए हैं। मंडल और जिला स्तर पर होने वाली हर बैठक में नगर आयुक्तों से व्यक्तिगत रूप में उपस्थित रहने के लिए कहा जाता था। ऐसा न करने पर अनावश्यक पत्राचार व उनके खिलाफ कार्रवाई भी की जाती थी जबकि नगर आयुक्त नगर प्रशासन के महत्वपूर्ण अधिकारी हैं व निगम सीमा में रहने वाले नागरिकों की तमाम समस्याओं के निराकरण के लिए जिम्मेदार भी होते हैं। ऐसे में नगर की समस्याओं के समाधान के मद्देनजर उन्हें पर्याप्त समय दिया जाना जरूरी है। इसी के मद्देनजर मुख्य सचिव ने अपने आदेश में साफ तौर से कहा है कि मंडल व जिला स्तर पर होने वाली बैठकों में नगर आयुक्तों को व्यक्तिगत रूप से तभी बुलाया जाए, जब उनकी मौजूदगी बहुत ही जरूरी हो।

इसी प्रकार मंडल और जिला प्रशासन द्वारा निकायकर्मियों को दिए जाने वाले अतिरिक्त कार्यों से भी निजात देने का आदेश दिया गया है। कहा गया कि उन्हें ऐसे कार्य सौंप दिए जाते हैं, जिन कायों के लिए अलग से विभाग बने हैं। नगर निकाय स्वायत्तशासी संस्था है और उसका कार्य क्षेत्र बहुत बड़ा है। इसलिए निकाय कर्मियों को अन्य विभागों से जुड़े कार्य तभी कराए जाएं, जब वे बहुत जरूरी हो । नगर निगम सदन में पार्षदों ने निगम कर्मियों की ड्यूटी आर्थिक जनगणना, पशु गणना, समाजवादी पेंशन योजना आदि में लगाने से वसूली जैसे कायों के प्रभावित होने का मुद्दा उठाया था। पार्षदों ने सदन से प्रस्ताव पारित कर शासन-प्रशासन को इस मामले से अवगत कराने के लिए भी कहा था। निश्चित रूप से अन्य कार्यों में निगमकर्मियों को लगाने से वसूली और अन्य विभागीय कार्य प्रभावित होते हैं। हाउस टैक्स, विज्ञापन, पार्किंग शुल्क आदि वसूली की जिम्मेदारी कर्मचारियों पर होती है।

मार्च में कैंसर मरीजों को इलाज मिलने की जगी उम्मीद

तिर्वा । अब जल्द ही कैंसर के मरीजों को राजकीय मेडिकल कालेज कैंपस में ही इलाज मुहैया कराया जाएगा। मार्च में कैंसर अस्पताल तैयार होने के बाद कीमोथेरेपी व रेडियोथेरेपी शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है। इस अस्पताल में इलाज के साथ चिकित्सक शोध करेंगे तथा छात्रों को पढ़ाया भी जाएगा।



राजकीय मेडिकल कालेज में निर्माणाधीन कैंसर अस्तपाल को पूर्ण करने के प्रयास जोरों पर हैं। भवन का ढांचा तैयार होने के बाद प्लास्टर, बिजली कार्य व रंग-रोगन का भी कार्य शुरू कर दिया गया है। राजकीय निर्माण निगम द्वारा अगस्त 2013 में निर्माण शुरू कराया गया था तथा मार्च 2015 में निर्माण पूर्ण होना तय है। इसमें बेसमेंट, भूतल, प्रथम, द्वितीय व तृतीय तल तक कैंसर अस्पताल रहेगा। 6131.85 लाख की लागत के बाद निर्माण कार्य के लिए महंगाई के चलते रिवाइज भी कराया गया है। मार्च में कार्य पूर्ण कर मेडिकल कालेज प्रशासन को अस्पताल सौंप दिया जाएगा। इसके बाद कैंसर का इलाज शुरू कर दिया जाएगा। कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी के साथ आपरेशन आदि भी शुरू कर दिए जाएंगे। इसके साथ ही कैंसर अस्पताल में डाक्टर शोध करेंगे तथा एमबीबीएस छात्रों को कैंसर की पढ़ाई करने का भी मौका मिलेगा। प्रोजेक्ट मैनेजर बीआर सिंह ने बताया कि समय के मुताबिक कार्य पूर्ण कर भवन हैंडओवर कर दिया जाएगा।

घर के बाहर लगेंगे बिजली मीटर

इटावा। बिजली विभाग जनपद में अब मकानों के बाहर बिजली के मीटर लगवायेगा। इसके लिये उपभोक्ताओं से कोई शुल्क विभाग द्वारा नहीं लिया जायेगा। यह निर्देश जिलाधिकारी नितिन बंसल ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बिजली विभाग व जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुये कही।

उन्होंने बताया कि शासन ने अच्छी बिजली देने का वादा किया था, बिजली चोरी करने का नहीं। इसलिए सभी अधिकारी बिना किसी भेदभाव व दबाव के अभियान चलायें और बिजली चोरी पकड़े जाने पर तुरंत एफआईआर दर्ज कराएं। उन्होंने निर्देश दिये कि प्रथम फेज में अधिक चोरी वाले क्षेत्रों को चिन्हित करके वहां पर उपलब्ध संसाधनों का प्रयोग करके क्षेत्रों एवं फीडरों में चौकग अभियान चलाया जाये, जिससे लाइन हानियां कम हो सकें। अभियान को सफल बनाने हेतु नये मीटर, नये कनेक्शन फार्म व पंजीकरण फार्म की व्यवस्था कर ली जाये। इसके लिये 11 जनवरी को विद्युत दिवस के अवसर पर नगर पालिका, ग्राम प्रधानों, सभासदों व व्यापार मंडल के साथ बैठक कर उनका सहयोग लिया जाये। इस अवसर पर एलआईयू को भी यह निर्देश दिये गये कि सबसे अधिक चोरी वाले क्षेत्रों मीटर से छेड़छाड़ करने वाले कर्मचारियों पर भी निगाह रखी जाये।

घर के बाहर लिखा जायेगा उपभोक्ता का नाम। अधीक्षण अभियंता धनीराम मौर्या बताया कि विद्युत चोरों को चिन्हित करने के लिये कनेक्शन धारकों के घर के बाहर उपभोक्ता का नाम, कनेक्शन संख्या व स्वीकृत भार लिखा जायेगा। जिसके घर के बाहर उपभोक्ता का नाम और संयोजन संख्या पेंट से नहीं लिखा होगा उनको अवैध रूप से विद्युत प्रयोग की श्रेणी में मानते हुये आवश्यक कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने सभी नये कनेक्शन धारकों से अपने संयोजनों की रसीदों या बिलों की छायाप्रतियों को घर के बाहर चस्पा करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र ोसह, सिटी मजिस्ट्रेट ईश्वर चंद्र, अधिशासी अभियंता आरके ग्रोवर मौजूद थे।

हर गांव की होगी चेकिंग

अभियान के दौरान छोटी सी कमी को भी बिजली चोरी में दर्ज कर मुकदमा दर्ज कराया जायेगा। अधिशासी अभियंता खंड द्वितीय आर वी ोसह ने कहा कि अभी 55 गांवों के कनेक्शन काटे गये है। अभियान के दौरान हर गांव व हर घर की जांच होगी। टेरा साफ्टवेयर के प्रोजेक्ट मैनेजर अतुल सिंह ने कहा कि अगर कोई मीटर रीडर किसी से पैसा मांगता है तो उपभोक्ता मोबाइल 7830184018 पर सूचित करें तुरन्त कार्रवाई की जायेगी। बिजली चोरी पकड़े जाने पर 6 साल की कैद व जुर्माना दोनों की सजाओं का प्रावधान है।

12 जनवरी से शुरू होने वाले अभियान में तहसील से टीमों को रवाना किया जायेगा। सभी टीमें प्रातः 9 बजे तहसील मुख्यालय पर पहुंचेंगी और वहां से अपने-अपने गंतव्य स्थानों पर रवाना होंगी।

व्हाट्स एप्प पर परिवहन विभाग का एक्शन

रायबरेली । अगर आप उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग (रोडवेज) की बसों से यात्रा कर रहे हैं और अक्सर आपको परेशानियों से दो-चार होना पड़ रहा है। आप जागरुक है और चाहते है कि जो परेशानी आप ने झेली उस परेशानी को कोई अगला यात्री न झेले। इसके लिए आपको सिर्फ एक क्लिक करनी होगी और भेज देना होगा परिवहन विभाग द्वारा दिए गए व्हाट्स एप्प नंबर पर। ऐसा करने से समस्या का निराकरण होगा और आपको उस दूसरे यात्री का धन्यवाद भी मिलेगा।

आपकी यात्रा को ओर मंगलमय बनाने के लिए रोडवेज विभाग के उच्चाधिकारियों ने एक नई व्यवस्था लागू की। इस व्यवस्था के लिए परिवहन विभाग ने व्हाट्स एप्प को अपना हथियार और यात्रियों का 'दोस्त' बनाकर पेश किया है। जी हां अगर आप परिवहन विभाग की सेवाएं ले रहे है और आपको समस्याओं से दो-चार होना पड़ रहा है। इसके लिए परिवहन विभाग की ओर से जारी किए गए 9415049606 को मोबाइल पर सेव करिए। इसके बाद उस समस्या से जुड़ा कोई फुटेज और वीडियो बनाकर इस नंबर पर पोस्ट (सेंट) कर दें। समस्या संबंधित फुटेज और वीडियो जैसे ही परिवहन विभाग के मुख्यालय पहुंचेगा, उसके बाद संबंधित सूचना क्षेत्रीय सहायक प्रबंधक (एआरएम) को दी जाएगी। एआरएम के पास समस्या पहुंचते ही फौरन यात्रियों की परेशानियों को दूर करने का प्रयास किया जाएगा।



बहुत से मकसद होंगे पूरे

परिवहन विभाग में कार्यरत चालक और परिचालक कई तरीकों से विभाग को चूना लगाते हुए नजर आते है। जैसे डीजल चोरी, यात्रा के दौरान निकट न देना, यात्रियों से अपशब्द का प्रयोग करना, अधिक किराया लेना और टिकट न देना, निर्धारित स्थानों की बजाय आउटर पर बस रोकना। इन समस्याओं को दूर करने के लिए विभाग की ओर से नई पहल की गई है।

'विभागीय अधिकारियों की मंशानुरूप आदेश जारी किए गए है। व्हाट्स एप्प पर आने वाली शिकायतों का फौरन निस्तारण किया जाएगा। ताकि यात्रियों का सफर सुहाना बन सके।'आरपी सिंह, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक, रायबरेली।

जन-धन के खातों से बढ़ेंगी एटीएम की मुश्किलें

कानपुर । पहले से ही बैंक खातों में जारी किए गए कार्ड का दबाव झेल रहे एटीएम अब और मुश्किलों से गुजरेंगे। जन-धन योजना के अंतर्गत खोले गए खातों से स्थिति और बिगड़नी तय है वहीं, ग्राहकों के सुगम बैंकिंग के ख्वाबों को पलीता लग सकता है। वित्तीय संस्थानों, रिजर्व बैंक के सर्वे में बढ़ते खातों से एटीएम इस्तेमाल में भविष्य में होने वाली समस्याओं को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। क्षमता से ज्यादा काडी के इस्तेमाल से एटीएम मशीनें जल्दी खराब होंगी। बैंक के उच्च पदस्थ अफसर के मुताबिक बैंकों में जन-धन योजना के तहत आठ करोड़ से ज्यादा खाते खोले जा चुके हैं। इनमें जारी किए जाने वाले रूपे कार्ड के इस्तेमाल से रोज के लेनदेन की संख्या बढ़ेगी। अब देश भर में 20 हजार नए एटीएम की जरूरत पड़ेगी। शहर में भी अब दस लाख से ज्यादा नए खाते खुल चुके हैं जबकि एटीएम की संख्या 500 के आसपास ही है। ऐसे में पहले से खुले खाते और नए ग्राहकों के लिए समस्या बढ़नी तय है। नेशनल कन्फेडरेशन ऑफ बैंक इंप्लाइज उप्र के सहायक महामंत्री राजेंद्र अवस्थी कहते हैं, जन-धन योजना के खातों में रूपे कार्ड अनिवार्य है। इसके इस्तेमाल के बिना बीमा सुविधा भी नहद्ध मिलेगी इसलिए ग्राहक कार्ड का ज्यादा इस्तेमाल करेंगे और समस्या बढ़ेगी।

डॉ. हरि सिंह ढिल्लो ने दिया रालोद को झटका

लखनऊ। लंबे समय राष्ट्रीय लोकदल की रीढ़ बने पूर्व विधान परिषद सदस्य डॉ. हरि सिंह ढिल्लो ने आज पाटी को तगड़ा दिया दिया। अमरोहा निवासी डॉ. ढिल्लो ने राष्ट्रीय लोकदल से इस्तीफा दे दिया।

वरिष्ठ रालोद नेता डॉ. हरि सिंह ढिल्लो ने देश तथा प्रदेश में पाटी के अनिश्चित भविष्य को देखते हुए यह निर्णय लिया है। उन्होंने अभी अपने अगले कदम के बारे में कुछ भी नहद्ध बताया है। अभी उनके पत्ते बंद हैं। उन्होंने अभी किसी दूसरी पाटी में जाने का ऐलान भी नहीं किया है। हरि सिंह ढिल्लो अपने राजनीतिक सफर की शुरूआत से ही राष्ट्रीय लोकदल से जुड़े रहे।

डॉ. हरि सिंह ढिल्लो हाल ही में बरेली-मुरादाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद के चुनावी समर में उतरे थे। डॉ. नेपाल सिंह के लोकसभा सदस्य चुने जाने के कारण इस रिक्त सीट पर हुए चुनाव में भाजपा के जयपाल सिंह ने जीत दर्ज की थी जबकि डॉ. हरि सिंह ढिल्लो दूसरे स्थान पर रहे थे। इनके कारण ही सपा प्रत्याशी रेनू मिश्रा तीसरे स्थान पर चली गई थीं।

यूपी में अब विवाह पंजीकरण भी ऑनलाइन

लखनऊ । प्रदेश में विवाह पंजीकरण के लिए अब उप निबंधक कार्यालय (रजिस्ट्री ऑफिस) में घंटों धक्के नहद्ध खाने होंगे। ऐसी व्यवस्था होने जा रही है कि हाथोंहाथ मैरिज रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (विवाह पंजीकरण प्रमाणपत्र) मिलेगा। पहले-पहल यह सुविधा हिंदू परिवारों के लिए ही होगी।



वैसे तो अनिवार्यता न होने से विवाह के पंजीकरण को लेकर सूबे में आज भी जागरूकता की बेहद कमी है लेकिन विदेश जाना हो या विवाह के टूटने या फिर दुर्घटना व संपत्ति आदि को लेकर विवाद होने की दशा में इसकी अहम भूमिका होती है। वर्तमान में विवाह के रजिस्ट्रेशन के लिए उप निबंधक कार्यालयों में घंटों धक्के खाने पड़ते हैं। ऐसे में राज्य सरकार कुछ हद तक पासपोर्ट की तर्ज पर विवाह पंजीकरण की ऑनलाइन सुविधा शुरू करने जा रही है। स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग एनआइसी से सॉफ्टवेयर तैयार करा रहा है।

विभागीय प्रमुख सचिव अनिल कुमार ने बताया कि जनवरी के अंत तक ऑनलाइन विवाह पंजीकरण की सुविधा शुरू हो जाएगी। कुमार ने बताया कि फिलहाल हिंदू विवाह रजिस्ट्रीकरण नियमावली -1973 के तहत हिंदू परिवारों के लिए ही विवाह के पंजीकरण की ऑनलाइन सुविधा होगी। बाद में अन्य धर्मों को मानने वालों के लिए भी इस तरह की सुविधा उपलब्ध करायी जा सकेगी।

घर बैठे भर सकेंगे आवेदन फार्म

विवाह के पंजीकरण के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की विभागीय वेबसाइट पर निर्धारित फार्म का प्रारूप होगा। पंजीकरण कराने के लिए फार्म में वर-वधू के साथ ही परिवार व विवाह की तारीख-स्थल आदि का पूरा ब्योरा भरकर ऑनलाइन जमा करना होगा। निर्धारित फीस भी ऑनलाइन जमा की जा सकेगी। फीस अभी तय नहद्ध है लेकिन 500 रुपये तक हो सकती है। ई-मेल व एसएमएस के जरिए संबंधित व्यक्ति के साथ ही उप निबंधक के पास भी पूरी जानकारी पहुंच जाएगी। ऑनलाइन फार्म जमा करने की तारीख से एक माह की अवधि में वर-वधू को दो गवाहों के साथ एकबार संबंधित उप निबंधक कार्यालय जाना होगा। जहां ई-मेल का प्रिंट या एसएमएस दिखाने पर उप निबंधक सभी की फोटो, बायो मैट्रिक अंगुलियों के निशान, हस्ताक्षर आदि लेने के तत्काल बाद विवाह पंजीकरण का सर्टिफिकेट दे देंगे। फिलहाल महानगरों में ही होगी सुविधा प्रमुख सचिव अनिल कुमार ने बताया कि फिलहाल 354 उप निबंधक कार्यालयों में से 172 में ही इंटरनेट आदि की सुविधा है। ऐसे में फिलहाल जिला मुख्यालय व बड़े नगरों में ही ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा होगी। कुमार ने उम्मीद जताई कि शेष उप निबंधक कार्यालय भी इसी वित्तीय वर्ष के अंत तक पूरी तरह से कंप्यूटरीऔत हो जाएंगे। ऐसे में उनमें भी विवाह के ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा मिलने लगेगी।

केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए आइएएस दुर्गा शक्ति कार्यमुक्त

लखनऊ। सरकार ने 2010 बैच की चर्चित आइएएस अधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए कल कार्यमुक्त कर दिया। दुर्गा को औषि मंत्रालय में विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) के पद पर तैनाती मिली है। चर्चा है कि दुर्गा के पति 2011 बैच के आइएएस अधिकारी अभिषेक सिंह को भी केंद्रीय प्रतिनियुक्त पर बुलाने की तैयारी है। दुर्गा शक्ति नागपाल बीते वर्ष देश भर में तब चर्चा में आईं थी, जब उन्होंने उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर के एक गांव की मस्जिद में बिना अनुमति के बनाई जा रही दीवार को गिरवा दिया था। तब अखिलेश सरकार को एसडीएम गौतमबुद्ध नगर के पद पर तैनात दुर्गा शक्ति नागपाल की यह कार्रवाई बेहद नागवार लगी थी। मुख्यमंत्री के आदेश पर उन्हें निलंबित कर दिया गया था। इस कार्रवाई की देश भर में निंदा हुई थी। गौरतलब है कि दुर्गा शक्ति नागपाल पंजाब काडर की आइएएस अफसर हैं। यूपी काडर के आइएएस अफसर अभिषेक सिंह से शादी करने के बाद वह अपना काडर बदलवाकर यूपी आ गईं थी। निलंबन वापसी के बाद सरकार ने पहले दुर्गा को कानपुर सीडीओ के पद पर तैनात किया था, फिर उन्हें मथुरा सीडीओ बनाकर भेजा गया था।



सारनाथ की राष्ट्रीय धरोहर शीशे के घेरे में सरक्षित

लखनऊ। सम्राट अशोक की ऐतिहासिक व राष्ट्रीय धरोहर श्अशोक की लाटश के संरक्षण की कवायद पूरी कर ली गई है। काशी के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल व बौद्ध धर्मावलंबियों के आस्था के केंद्र सारनाथ के खंडहर में स्थित इस लाट के खंड को अब चारों ओर से शीशे के द्वारा सुरक्षित कर दिया गया है। गुरुवार को इसे शीशे द्वारा सुरक्षित करने का काम अंतिम चरण में था।



दरअसल, अब तक एकदम खुले में रहने की वजह से सम्राट अशोक की इस लाट पर मौसम की मार का असर साफ दिखने लगा था। इसके चलते लाट पर कई जगह दरारें झलकने लगी थद्र। हालत यह थी कि कोई रोक न होने की वजह से सारनाथ आने वाले तमाम पर्यटक इसे हाथों से छू छूकर इसकी चिकनाई का अंदाजा लगाते थे। इन सबका दुष्परिणाम यह हुआ कि लाट का क्षरण शुरू हो गया और उसमें दरारें दिखने लगद्र। अंततरू राष्ट्रीय धरोहर के संरक्षण के क्रम में इस मसले को दैनिक जागरण ने पहली बार 18 अप्रैल सन 2012 को पूरी प्रमुखता से प्रकाशित किया। इसके बाद तो समय समय पर इस मसले को प्रकाशित किया जाता रहा। हालिया दिनों में धरोहर संरक्षण के क्रम में भी इस महत्वपूर्ण मामले को उठाया गया। अंततरू पुरातत्व विभाग ने इस मसले को संज्ञान में लेते हुए इस राष्ट्रीय धरोहर को सुरक्षित-संरक्षित करने का प्लान बनाया, इसके लिए चार मोटे शीशे मंगवाए गए, उन्हें फिट करने के लिए फ्रेम तैयार किया गया, और अशोक की लाट के स्थान को चारों ओर से कवर करने का काम शुरू कर दिया गया। गुरुवार को यह काम अपने अंतिम दौर में था।

ज्ञात हो कि करीब सवा पंद्रह मीटर ऊंची इस लाट का निर्माण लगभग 250 ईसा पूर्व भारत के चक्रवती सम्राट अशोक ने करवाया था। यह एक ही पत्थर से निर्मित एकाश्म स्तंभ था। बाद के दिनों में यह स्तंभ पांच खंडों में विभक्त हो गया। ये सभी पांचों टुकड़े सारनाथ खंडहर में सुरक्षित हैं। इसी लाट के शीर्ष पर हमारे देश का राष्ट्रीय चिन्ह शसिंह शीर्षश विराजमान था। इन दिनों सिंह शीर्ष, सारनाथ संग्रहालय में सुरक्षित है।

अनोखा पौधा जो छूते ही कर दे बेहोश

लखनऊ। अलीगढ़ शहर से सटे गांव में ऐसी वनस्पति मिली है, जो सबके लिए अजूबा बनी हुई है। इसके संपर्क में आते ही कई ग्रामीण बेहोश भी हो चुके हैं। उत्तर प्रदेश बायो डायवर्सिटी बोर्ड की देखरेख में चल रहे सर्वे के दौरान यह दुर्लभ किस्म की वनस्पति जुटाई गई है। वन विभाग इसकी पहचान के लिए अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी के विशेषज्ञों की जल्द ही मदद लेगा।



गुरसिकरन के जंगलों में मिला यही वो पौधा है जिसे छूते ही आदमी की सुध-बुध गायब हो जाती है।

उत्तर प्रदेश बायो डायवर्सिटी बोर्ड हर जिले में एक गांव को जैव विविधता केंद्र के रूप में विकसित करना चाहता है। अलीगढ़ में शहर से सटे गांव गुरसिकरन को जैव विविधता केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए वन विभाग यहां जीव-जंतु व वनस्पति सर्वेक्षण कर रहा है। इसके लिए वन विभाग ने गांव में बायो डायवर्सिटी मैनेजमेंट कमेटी भी गठित की है। इसमें वन विभाग के साथ ही पर्यावरणविद, गुरसिकरन के ग्राम प्रधान समेत पांच सदस्य हैं। उत्तर प्रदेश बायो डायवर्सिटी बोर्ड यहां की 628 एकड़ जमीन पर ईको फ्रेंडली पार्क भी विकसित करने के लिए मदद को भी तैयार है।

बायो डायवर्सिटी मैनेजमेंट कमेटी के सदस्य पवन कुमार बताते हैं कि सर्वेक्षण में कई दुर्लभ व अपरिचित वनस्पतियां मिल रही हैं। इनमें कई ऐसी भी हैं, जो मनुष्य की चेतना व याददाश्त पर भी असर डालती हैं। पशु चराते या खेतों में जाते समय कई ग्रामीण इन वनस्पतियों की चपेट में आ चुके हैं। वनस्पति से शरीर संपर्क में आते ही लोग चेतना खो बैठते हैं। पहचान में विशेषज्ञों की मदद डीएफओ डीपी गुप्ता का कहना है कि वन विभाग की टीम को सर्वे में बेहोश करने वाला पौधा मिला है। इसकी पहचान के लिए हम एएमयू के विशेषज्ञों की मदद लेंगे। वनस्पति विभाग प्रो. आरिफ इनाम ने बताया कि जब संजीवनी बूटी हो सकती है तो जानलेवा वनस्पतियां भी हो सकती हैं। आयुर्वेद में बेहोशी की तमाम दवाएं हैं। गुरसिकरन के जंगल में ऐसी वनस्पति का मिलना चौंकाने की बात है।

गुरसिकरन के पूर्व प्रधान ओमपाल इस वनस्पति की चपेट में आकर चार बार सुध-बुध खो चुके हैं। होश में आकर भी यह नहीं जान पाते कि आखिर उन्हें जाना कहां है। कई दूसरे ग्रामीणों के साथ भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। काफी देर बाद ये लोग सामान्य हो सके। इस वनस्पति को पहले सभी नील का पौधा समझ रहे थे। तब ग्रामीणों ने छूने से आगाह किया। इसे छूने से बेहोशी हो सकती है। याददाश्त भी जा सकती है।

छह साल में नसीमुद्दीन की उम्र बढ़ी सिर्फ चार साल, फिर नामांकन

लखनऊ। बसपा महासचिव और विधान परिषद में नेता विरोधी दल नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने कल विधान परिषद चुनाव के लिए फिर से नामांकन किया। बुधवार को किए गए नामांकन पत्र में आयु संबंधी विवरण गलत होने के कारण उन्हें फिर से नामांकन करना पड़ा।



सिद्दीकी ने2009 में जब विधान परिषद के लिए नामांकन किया था तो उनकी आयु 50 साल की थी लेकिन बुधवार को जब उन्होंने पर्चा भरा तो नामांकन पत्र में उनकी आयु 54वर्ष दर्शायी गयी थी। इसका अभिप्राय यह हुआ कि छह साल में उनकी उम्र केवल चार साल बढ़ी। सिद्दीकी के नजदीकी सूत्रों ने बताया कि मतदाता सूची में आयु 54 वर्ष लिखी होने के कारण इसी का उल्लेख नामांकन पत्र में कर दिया गया हालांकि मतदाता परिचय पत्र में अंकित जन्म तिथि सही थी। इस गलती को दुरुस्त करते हुए नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने फिर से नामांकन किया।

कोहरे और उत्तरी-पश्चिमी हवाओं ने बढ़ाई उत्तर प्रदेश में सर्दी

लखनऊ। कोहरा और उत्तरी-पश्चिमी हवाओं ने उत्तर प्रदेश में ठिठुरन बढ़ा दी। यहां धूप निकलने के बाद भी ठंड बनी रही। कोहरे से रेल और सड़क यातायात प्रभावित रहा। राजधानी लखनऊ में भी मौसम ने एक बार फिर करवट ली। बीते तीन-चार दिन की खिली धूप के बाद बदली छाई रही। बदली के कारण धूप देर से निकली। लखनऊ, इलाहाबाद वाराणसी और कानपुर के आसपास जिलों में ठंड और कोहरा फिर दिखा है। वाराणसी में मौसम का मिजाज दिन में ठंडी हवाओं से लोग ठिठुरने को मजबूर हो गए। गोरखपुर में सूरज निकला लेकिन हवाओं ने सर्दी में इजाफा किया। इलाहाबाद में धूप के बाद बर्फीली हवाओं के साथ ठंड फिर से लौट आई है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में घना कोहरा और सर्द हवाओं के कारण हाड़ तोड़ सर्दी पड़ रही है। लगातार सर्द हवाएं चलने से लोग गलन के कारण बेहाल हो गए हैं।

सम्पादकीय

फिर राहुल राग

इस पर आश्चर्य नहीं कि कांग्रेसी नेताओं के एक खेमे ने एक बार फिर राहुल गांधी को पार्टी अध्यक्ष बनाने की मांग उठाई है। अगर यह मांग अनायास नहीं है और राहुल भी नई जिम्मेदारी संभालने के इच्छुक हैं तो बहुत संभव है कि अगले सप्ताह होने वाली कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में उनकी पदोन्नति पर मुहर लग जाए। वैसे भी कार्यसमिति की इस बैठक का एक मकसद राहुल गांधी के हाथ मजबूत करना बताया जा रहा है। पता नहद्र इस बैठक में क्या होगा, लेकिन कांग्रेस में किसी को इस सवाल का जवाब देना चाहिए कि आखिर राहुल गांधी अध्यक्ष बनकर ऐसा क्या कर लेंगे जो वह बतौर उपाध्यक्ष नहीं कर पा रहे हैं? राहुल गांधी बतौर उपाध्यक्ष कम प्रभावी नहीं हैं और माना जाता है कि जबसे उन्होंने यह पद संभाला है तबसे कांग्रेस में सब कुछ उनकी मर्जी के मुताबिक ही हो रहा है। कम से कम सोनिया गांधी के अध्यक्ष रहते तो यह नहद्र ही कहा जा सकता कि राहुल गांधी उपाध्यक्ष होने के कारण अधिकारों की कमी महसूस कर रहे थे। निरूसंदेह यह भी नहीं कहा जा सकता कि पार्टी में उन्हें कोई चुनौती देने की स्थिति में था। कांग्रेस में तो यह संभव ही नहद्र। इस पाटी में परिवार की मर्जी के बगैर तो पत्ता भी नहीं खड़कता। इन स्थितियों में यह समझना कठिन है कि राहुल को अध्यक्ष बनाने की मांग क्यों हो रही है? यह सवाल तब और महत्वपूर्ण हो जाता है जब यह तथ्य सामने आता है कि पंजाब के नाराज कांग्रेसी नेता अमरिंदर सिंह को मनाने के लिए सोनिया गांधी को दखल देना पड़ता है। पता नहीं सच क्या है, लेकिन ऐसा लगता है कि राहुल की पदोन्नति के सवाल पर कांग्रेस में एका नहीं। कांग्रेस में कोई भी राहुल के खिलाफ कुछ नहीं कह सकता है, लेकिन यह जगजाहिर है कि पार्टी में बुजुर्ग नेताओं की एक जमात ऐसी है जिसके लिए राहुल गांधी के नेतृत्व में काम करना आसान नहीं होगा। यह वह जमात है जिसे राहुल के तौर-तरीकों और खासकर प्रयोगों पर भरोसा नहीं। राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने की मांग करने वाले कांग्रेस नेता कुछ भी कहें, इस सच से इन्कार नहीं किया जा सकता कि पार्टी उपाध्यक्ष के तौर पर उन्होंने जो तमाम प्रयोग आजमाए वे विफल ही साबित हुए। अपने प्रयोगों की विफलता के लिए वह किसी अन्य को दोष नहीं दे सकते। उनकी विफलता के कारण ही कांग्रेस के अंदर से जब-तब प्रियंका वाड्रा को आगे लाने की मांग उठती रहती है। कहीं ऐसा तो नहीं कि राहुल समर्थक कांग्रेस नेता नेतृत्व के सवाल को खत्म करने के लिए उन्हें जल्द से जल्द अध्यक्ष पद पर आसीन होते हुए देखना चाहते हैं। मौजूदा समय कांग्रेस की जो स्थिति है और लोकसभा चुनाव के बाद एक के बाद एक विधानसभा चुनावों में पार्टी की पराजय से आम कार्यकर्ताओं और नेताओं के मनोबल पर जिस तरह असर पड़ रहा है उसे देखते हुए यह नहीं लगता कि राहुल गांधी के अध्यक्ष बन जाने मात्र से पार्टी अपनी खोई हुई जमीन हासिल करने में सफल हो जाएगी। कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बतौर अध्यक्ष भी नाकाम होते हुए देखना चाहते हैं। जो भी हो, इस समय जरूरी यह है कि कांग्रेस अपनी रीति-नीति पर गहन चिंतन करे, न कि इस पर कि राहुल को तत्काल अध्यक्ष बनाया जाए या कुछ समय बाद।

यूरोप में खतरनाक संघर्ष

व्यंग्य पत्रिका शार्ली अब्दो के पेरिस स्थित कार्यालय में तीन संदिग्ध इस्लामिक आतंकवादियों ने अत्याधुनिक राइफल की मदद से 12 लोगों को मौत के घाट उतार दिया। मारे गए लोगों में पत्रिका के संपादक और कार्टूनिस्ट स्टीफन काबरेनियर शामिल हैं, जो इस पत्रिका के माध्यम से कथित रूप से पैगंबर मोहम्मद का अपमान करने के कारण अलकायदा की हिटलिस्ट में शामिल थे। हमलावरों को यह कहते हुए सुना गया कि हमने अपमान का बदला ले लिया है। पिछले तीन महीनों में पश्चिमी देशों में इस तरह का यह तीसरा हमला है। फ्रांस के उत्तरी और पूवी हिस्से में इन हमलावरों को पकडने का अभियान जारी है और दुस्साहस की हद यह है कि इस अभियान के दौरान भी पुलिस बल पर गोली चलाई गई। इसके एक दिन पहले भी बुलेट प्रूफ जैकेट पहने बंदूकधारी ने पुलिसकर्मियों पर फायरिंग की। कुल मिलाकर फ्रांस आतंक के साये में है और एक बड़े खतरे का सामना कर रहा है। पत्रिका शाली अब्दो पर हुए हमले से समूचा यूरोपीय जगत सन्न रह गया है। हाल के वर्षों में फ्रांस में सबसे घातक आतंकी हमला करने के बाद आतंकी बाहर निकलने में कामयाब रहे। हमलावर अपने मिशन को अंजाम देने के लिए बखूबी तैयार थे। खबरों के मुताबिक संदिग्ध आतंकियों में से एक इराक में अमेरिकी सेना से लडने के लिए जिहादियों की भती करने के मामले में सजा काट चुका था।

महज दो माह पूर्व आइएस के फ्रांसीसी समूह के सदस्यों ने एक वीडियो जारी करके फ्रांसीसी जमीन पर आतंकी हमले का आह्वान किया था और इसके लिए उन्हें पूर्ण समर्थन देने की भी बात कही गई थी। पेरिस में हुआ ताजा हमला इसी की एक कड़ी है। फ्रांस के अधिकारी कट्टरपंथी इस्लामिक विचारधारा से जुड़े इन तीनों संदिग्धों से परिचित थे। हमलावरों ने अपने कार्य को अंजाम देने के बाद मजहबी नारे लगाए। फ्रांस में लंबे समय से ऐसे घरेलू हमलों की आशंका थी, जैसा कि पूर्व में ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में हो चुका है। ऐसा इसलिए, क्योंकि मध्य-पूर्व के देशों में ये देश कट्टरपंथी तत्वों के खिलाफ संघर्ष में पश्चिमी मोर्चे के साथ हैं। एक ऐसे समय में जब यूरोप आर्थिक उथल-पुथल के दौर में है, ये हमले यूरोपीय महाद्वीप में स्थिति को और अधिक बिगाडने वाले साबित होंगे। पांच वर्षों से अधिक के समय में यूरोजोन पहली बार अपस्फीति के दौर में है। फिलहाल इस बात की संभावना प्रबल है कि यूरोपीय सेंट्रल बैंक जर्मनी के विरोध ा के बावजूद बड़े पैमाने पर सरकारी बांडों की खरीद करेगा। आर्थिक उथल-पुथल के वर्तमान दौर में ताजा आतंकी हमले यूरोप के दक्षिणपंथी तत्वों को बल प्रदान करेंगे। फ्रांसीसी नेशनल फ्रंट की प्रमुख मेराइन ली पेन ने तत्काल कहा कि ये आतंकी हमले इस्लाम विरोधी एजेंडे को बढ़ाने वाले हैं। इस संदर्भ में जो बात अधिक खतरनाक है वह यह कि समूचे महाद्वीप में अप्रवासी विरोधी लहर के बीच यह घटना हुई है। यूरोप लगातार अलगाववाद से बचने के लिए संघर्षरत है। बहुसंस्कृति पर जोर देने वाले लोगों ने पहले ही इसके खतरों को रेखांकित कर दिया था। यूरोप में अप्रवासी विरोधी भावनाएं सदैव ही तीव्र रही हैं। सीमारहित यूरोप में खराब होती अर्थव्यवस्था और रोजगार अवसरों की कमी की समस्या लगातार गहरा रही है। लोगों के बीच बढ़ते असंतोष की भावना के कारण ही ब्रिटेन में यूके इंडिपेंडेंस पाटी या यूकेआइपी और नेशनल फ्रंट जैसी कम जानी-मानी पार्टियों का प्रभाव बढ़ रहा है। यह दल राष्ट्रवादी भावनाओं से ओतप्रोत हैं, जो पश्चिम में इस्लामीकरण के खिलाफ हैं। इस समूह के लोगों ने जर्मनी के ड्रेसडेन में कुछ दिनों पहले 18000 की तादाद में प्रदर्शन किया था। फ्रेंच पत्रिका पर किया गया हमला पुराने तौर-तरीकों वाला था। पूर्व में अलकायदा दुनिया का ध्यान खींचने के लिए पश्चिमी देशों की राजधानियों पर इस तरह के जिहादी हमले करता रहा है। इन हमलों का प्रमुख उद्देश्य संबंधित क्षेत्र में अपना वर्चस्व कायम करना है। इस तरह के तौर-तरीके ही इराक और सीरिया में कहर ढा रहे हैं।

शार्ली अब्दो वामपंथी झुकाव वाली पत्रिका है, जिसे वैश्विक मामलों में अधिक मुखर होकर तीव्र आलोचना के लिए जाना जाता है। यह सदैव ही उच्च और शक्तिशाली-प्रभावशाली लोगों को अपना विषयवस्तु बनाती रही है फिर चाहे वे सेलेब्रिटी हों, राष्ट्राध्यक्ष अथवा पोप आदि हों। पिछले चार वर्षों में इस पत्रिका के मुख्यालय पर यह दूसरा हमला है। नवंबर 2011 में पत्रिका से पैगंबर मोहम्मद से संबंधित एक कार्टून के कारण विवादों में घिर गई थी। इसके परिणामस्वरूप पत्रिका के दफ्तर को आग के हवाले कर दिया गया और अगले दिन अलसुबह ही इस पर हमला कर दिया गया, लेकिन किसी की भी मौत जैसी बात नहीं हुई। ताजा हमले के जवाब में पूरे फ्रांस में जनता ने सार्वजनिक स्थानों पर मौन रहकर प्रदर्शन किया। लोगों ने मारे गए लोगों के साथ एकजुटता दिखाते हुए अपने हाथ में तख्तियां ले रखी थी, जिन पर लिखा था कि मैं शाली हूं। फ्रांस की तीन मीडिया कंपनियों ने भविष्य में भी शार्ली अब्दो के प्रकाशन को जारी रखने के लिए समर्थन-सहयोग देने का वादा किया। इसके लिए रेडियो फ्रांस, ली मोंडे और फ्रांस टेलीविजन ने संयुक्त ज्ञापन जारी करते हुए कहा कि वे व्यंग्य पत्रिका के प्रकाशन को सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारियों समेत अन्य जरूरी सुविधा मुहैया कराएंगे। यह पत्रिका अतिवादी धर्म पर प्रहार करने के लिए जानी जाती है। यूरोपीय राजनीतिक नेतृत्व और सिविल सोसायटी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के समर्थन में आगे आए हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति ने बयान दिया है कि देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला किया गया है और फ्रांस के सभी लोगों को एक साथ खड़ा होना चाहिए। सोशल मीडिया पर कार्टूनों के माध्यम से श्रद्धांजलि दिए जाने को खूब प्रसारित किया गया, जो प्रेस की स्वतंत्रता का संदेश देने के लिए है। मुक्त समाजों में कुछ लोगों के संकीर्ण विचारों के आधार पर चीजों को प्रतिबंधित नहद्र किया जा सकता। वास्तव में यह सभी तरह की सीमाओं के पार की स्वतंत्रता है अथवा यह कहें कि बौद्धिक और कलाकारों वाले खुले समाज को प्रोत्साहन देना है। इस तरह की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने से हमारी सभ्यता आगे बढ़ती है।

पेरिस में हुए इस हमले से मुस्लिम जगत और पश्चिमी देशों के बीच तनावों को बढ़ावा मिलेगा। पेरिस में हुई आतंकी घटना यूरोप के लिए कही अधिक चिंताजनक है, क्योंकि इससे दक्षिणपंथी दलों को मजबूती मिलेगी और मुस्लिम समुदाय से लोगों की दूरी बढ़ेगी। वास्तव में यह इस्लाम की मूल धारणा का प्रतिनिधित्व करने वाले उदारवादी वर्ग तथा चरमपंथियों के बीच संघर्ष है, जो फिलहाल यूरोप में चल रहा है। इस संघर्ष का नतीजा यूरोपीय महाद्वीप की सामाजिक एकजुटता पर अपना प्रभाव डालेगा।

आज के गुरुजी

विद्यालयों को आज भी शिक्षा का मंदिर माना जाता है और शिक्षक यानी गुरुजी को भगवानस्वरूप। यह जरूर है कि बदलते जमाने में गुरु-शिष्य परंपरा का क्षरण हुआ है। छात्र और शिक्षक के रिश्ते सिर्फ क्लास तक सीमित होकर रह गए हैं। गुरु-शिष्य परंपरा में हानि और लाभ पर गौर करें तो पलड़ा लाभ का ही भारी नजर आता है, कारण इस परंपरा में गुरुजी अपने शिष्यों की मनोवृत्ति उसे देखते ही जान लेते थे और तभी उसे ज्ञान की दुनिया में ले जाते थे। गुरु के पास छड़ी होती थी, पर इसका प्रयोग वे सिर्फ बच्चों को गलत रास्ते पर जाने से रोकने को ही करते थे। अपने पुरुषार्थ से देश-दुनिया में नाम कमाने वाले महापुरुषों की जीवनगाथा को पढ़ें तो यह उदाहरण मिलते हैं कि उन्होंने भी एक गलती की थी, जिसपर घर के गुरु यानी माता-पिता या गुरुकुल के गुरुजी की छड़ी को देखकर ही वे सही रास्ते पर आ गए। अफसोस आज गुरुजी की वह छड़ी जो भटकाव के रास्ते से वापस लाती थी, गुम हो गई है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि छड़ी की जगह गुरुजी के हाथों में कैंची आ गई है। सजा के नाम पर गुरुजी के ऐसे कारनामे चर्चा में आ रहे हैं, जो अपराध की श्रेणी में आते हैं। यह सब कुछ तब हो रहा है जब शिक्षा व्यवस्था को नियंत्रित करने वाली सरकारी इकाइयां तकरीबन रोज छात्रों के उत्पीडन को रोकने के दिशा-निर्देश जारी कर रही हैं। अंग्रेजी स्कूलों को नियंत्रित करने वाले सीबीएसई और आइसीएसई बोर्ड ने तो शिक्षकों पर इतनी पाबंदी लगा रखी है कि वे बच्चों को जोर से डांट भी नहद्र सकते, बोर्ड का मानना है कि गलती पर भी बच्चों को प्यार की छड़ी से सजा देनी है, जिससे उन्हें मानसिक चोट न पहुंचे। यह भी निर्देश है कि कोई बच्चा कई बार समझाने के बावजूद नहीं मान रहा तो अभिभावक को बुलाकर शिकायत की जाए, लेकिन क्षेत्रीय बोर्ड के स्कूलों में ऐसे नियमों का पालन नहीं हो रहा। यही वजह है कि शिक्षकों का अमानवीय व्यवहार आए दिन किसी न किसी रूप में सुर्खियों में रहता है।

राजधानी पटना में गुरुजी की क्रूरता का ऐसा मामला चर्चा में आया, जिसने अभिभावकों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि तमाम सरकारी प्रोत्साहन पा रहे विद्यालयों में वे बच्चों को पढ़ाई के लिए भेजे या नहीं। कदमकुआं में एक सरकारी हाईस्कूल में बेंच टूटने की कीमत बच्चों के बाल कुतरवाकर वसूली गई। प्रधानाचार्या के आदेश पर शिक्षिका ने यह घृणित काम किया। इस तरह की सजा से बच्चे मानसिक रूप से इतने आहत हुए कि उन्होंने घर में अभिभावकों से शिकायत की बजाए मुंह को छिपा लिया। गनीमत रही कि एक बच्चे को घर में टोपी से सिर छिपाए उसके अभिभावकों ने देखा तो मामला खुल गया। पुलिस ने भी सजा के नाम पर इसे अपराध माना है। अगर यह मान लिया जाए कि उक्त सरकारी स्कूल में बच्चों ने ही बेंच तोड़ दी थी, पर शिक्षा के कानूनों की किस किताब में लिखा है कि ऐसी गलती पर सीधे बच्चों से आर्थिक दंड वसूला जाए और न देने पर उनकी शक्ल बिगाड़ दी जाए। सरकारीविद्यालयों में फर्नीचर के नाम पर बेंच और टेबुल की हालत किसी से छिपी नहीं है। बोर्ड के इम्तिहान में भी बच्चे टूटी-फूटी बेंच और टेबुल पर परीक्षा देते हैं। प्रधानाचार्य से शिकायतें की जाती हैं, पर वे अनसुनी कर देते हैं। ऐसी दशा में सरकार को विद्यालयों में उचित फनीचर के प्रबंध करने चाहिए, साथ ही शिक्षकों के लिए मर्यादा का पाठ पढ़ाने को कार्यशालाओं का भी आयोजन हो तभी आदर्श स्थिति की उम्मीद की जा सकती है।

नई उम्मीदें, नई आशाएं

बालिकाओं को शिक्षा के लिए प्रेरित करने और उनमें इसके लिए अलख जगाने के मकसद से प्लान इंडिया पहले से ही प्रयासरत है। बालिकाओं तक औपचारिक शिक्षा की पहुंच बढ़ाते हुए उनको शिक्षा जारी रखने के लिए प्रेरित करना इसके प्रमुख मकसद में से एक है। इसके साथ ही क्लास रूम में उनकी उपस्थिति बढ़ाकर उच्च शिक्षा के लिए उन्हें प्रेरित करना भी इसका प्रमुख कार्य है।



इसलिए प्लान इंडिया ने 2013 में नई दिल्ली के ककरोला स्थित सवीदय कन्या विद्यालय में एक शैक्षिक कार्यक्रम की शुरुआत की। उस स्कूल में चार हजार बालिकाएं पढ़ती हैं और यह दिल्ली के शिक्षा विभाग के अधीन है।

शिक्षा में नवोन्मेषी शैक्षिक ढांचे को विकसित कर इस सरकारी स्कूल को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित करना इस प्रोजेक्ट का मकसद था। इसके लिए स्कूल की मौजूदा क्षमता में इजाफा करते हुए अनुकूल पर्यावरण का निर्माण करना और उनमें 21वीं सदी की योग्यताओं मसलन कंप्यूटर साक्षरता, संचार और अन्य ऐसे ही आयामों को विकसित करना था।

इस प्रोजेक्ट के तहत स्कूल में तीन आर्ट लैब वाइफाइ टेक्नोलॉजी, सूचना और प्रौद्योगिकी तकनीक (आइसीटी) सुविधा, गणित, भौतिकी, रसायन और बॉयोलोजी लैब के साथ विकसित की गई। नतीजतन स्मार्ट क्लास मॉडल, आइसीटी लैब के तहत वर्तमान में शिक्षण कार्य संचालित हो रहा है।

इस आइसीटी लैब में छह टेराबाईट सर्वर, एलसीडी प्रोजेक्टर और बच्चों, शिक्षकों के लिए लैपटॉप एवं डिजिटल पिन वाले सेंसर मौजूद हैं। जल रोधी कीबोर्ड, टच पैड, बैटरी बैकअप, सिंगल प्वाइंट चार्जिंग सुविधा वाले यहां पर 30 लैपटॉप और इंटेल एजुकेशन सॉफ्टवेयर और क्लासरूम मैनेजमेंट एवं एक्सेस मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर मौजूद हैं।

क्लासम मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर के माध्यम से शिक्षक इंटरेक्टिव व्हाइट बोर्ड के जरिये प्रत्येक बच्चे की गतिविधियों की निगरानी और निरीक्षण करता है। बच्चे आइसीटी रूम में बैठकर तीनों लैब की गतिविधियों को देख सकते हैं। इन सबका बच्चों के प्रदर्शन पर बेहद सकारात्मक असर पड़ा।

उपलब्धियां

सीबीएसई परीक्षाओं में स्कूल का रिजल्ट 100 प्रतिशत रहा। बच्चों ने अधिकतम 85 प्रतिशत अंक भौतिकी और गणित में 100 प्रतिशत अंक अर्जित किए।

स्कूल में उपस्थिति और नामांकन के स्तर में इजाफा हुआ। अब आस-पड़ोस के बच्चे इस स्कूल में दाखिला लेने के इच्छुक हैं।

पहले केवल सीनियर सेकेंडरी में पढने वाली बालिकाओं की ही पहुंच आइसीटी लैब तक थी। मौजूदा सत्र में यह सुविधा उच्च प्राथमिक कक्षाओं में पढने वाली बालिकाओं को भी उपलब्ध कराई जा रही है।

प्लान इंडिया

प्लान इंडिया देश का एक गैरसरकारी संगठन होने के साथ प्लान इंटरनेशनल का हिस्सा है जोकि दुनिया के सबसे बड़े सामुदायिक विकास संगठनों में से एक है। प्लान इंडिया वंचित तबकों के बच्चों, उनके परिवारों और समुदायों के जीवन को सुधारने, संवारने के मकसद से काम रहा है। इसमें बच्चों को सामुदायिक विकास के केंद्र में रखते हुए फोकस किया जाता है। पिछले करीब 30 वर्षों से प्लान इंडिया अपने सहयोगियों के साथ देश भर में समुदायों के बच्चों को सुरक्षा, बुनियादी शिक्षा, स्वास्थ्य की देखभाल एवं स्वच्छ पर्यावरण मुहैया कराने की कोशिशों के साथ गरीबी के दुष्चक्र से निकालने के लिए जद्दोजहद कर रहा है। प्लान इंडिया वर्तमान में देश के 13 राज्यों में 5400 समुदायों के बीच काम कर रहा है और इसने करीब 10 लाख बच्चों की जिंदगियों को प्रभावित किया है।

ग्रीन स्कूल कार्यक्रम

पेयजल के अधिकार और स्वच्छ पर्यावरण उपलब्ध कराने के लिए ग्रीन स्कूल कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम का मकसद सरकारी स्कूलों में स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई, स्वच्छ पर्यावरण और पर्यावरण के मसले पर नई प्रैक्टिकल शिक्षा शुरू करना है। प्लान इंडिया ने इस कार्यक्रम के तहत एक सरकारी स्कूल का चुनाव किया है। उस स्कूल में 4,273 बच्चे हैं। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य बच्चों के लिए अनुकूल पर्यावरण का माहौल विकसित के साथ गुणवत्तापरक शिक्षा उपलब्ध कराना एवं पानी, साफ-सफाई एवं खेलकूद की सुविधाएं मुहैया कराना है ताकि बच्चे साफ-सुथरे माहौल में पढ़-लिख एवं खेलकूद सकें।

प्रोजेक्ट के तहत कुछ खास सुविधाएं बच्चों को उपलब्ध कराई गई हैं।

खेलकूद के सामान के साथ खेलकूद मैदान की स्थापना।

विकेंद्रित दूषित जल शोधन तंत्र का निर्माण। इसमें शोधित जल भंडारण टैंक भी शामिल।

रेनवाटर हार्वेस्टिंग तंत्र के साथ एक रिचार्ज कुएं की स्थापना।

लाइब्रेरी की स्थापना।

शिक्षकों के लिए ओरियंटेशन प्रोग्राम।

स्कूल में बोटेनिकल गार्डेन का विकास।

स्कूल में जल भराव की समस्या से निजात पाने के लिए जल निकास प्रणाली की समुचित व्यवस्था।

ठोस वर्ज्य प्रबंधन तंत्र का विकास।

बालिकाओं एवं बालकों के लिए टॉयलेट का विकास।

उपलब्धियां

स्कूल के लगभग सभी बालक एवं बालिका विकसित की गई पेयजल प्रणाली और टॉयलेट का उपयोग कर रहे हैं।

करीब 2500 छात्र लाइब्रेरी का उपयोग कर रहे हैं। सभी बच्चे खेलकूद मैदान और खेल सामानों का उपयोग कर रहे हैं।

स्कूल के ऑडीटोरियम में औसतन हर साल 10-15 सांस्औतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

8500 लीटर खराब जल स्कूल में रोज शोधित किया जा रहा है।

ग्राउंडवाटर में हर साल 30 लाख लीटर से भी ज्यादा वर्षाजल रिचार्ज किया जा रहा है। स्कूल द्वारा हर साल करीब 24 लाख लीटर जल उस ग्राउंडवाटर से निकाला जाता है। चार डस्टबिन के माध्यम से स्कूल अपने ठोस वर्ज्य पदार्थों (जैविक और अजैविक) का प्रबंधन कर रहा है। सभी जैविक वर्ज्य पदार्थों से खाद का निर्माण किया जा रहा है। इस खाद का उपयोग स्कूल के बोटेनिकल गार्डन में किया जाता है।

स्कूल की दो वाश कमेटी (बच्चों से) बनाई गई है। एक शिक्षक वाश कमेटी का भी गठन किया गया है।

सात करोड़ का भैंसा 'युवराज' बना आकर्षण

हरियाणा। हरियाणा के कुरुक्षेत्र का 'युवराज' भैंसा श्री मक्तसर साहिब में चल रही राष्ट्रीय पशुधन चौंपियनशिप में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इसे देखने के लिए मेले में पहुंचे पशुपालकों सहित क्षेत्र के पशु प्रेमियों का तांता लगा हुआ है। 'युवराज' का डील-डौल देखकर सभी लोग चकित रह जाते हैं और उसके मालिक कुरुक्षेत्र जिले के गांव सुराया के किसान कर्मवीर से उसकी परवरिश के बारे में जानकारी हासिल करने लगते हैं। कर्मवीर अपने इस दबंग के बारे में बताते नहीं थक रहे। उल्लेखनीय है कि भैंसे की कीमत उसकी प्रजनन क्षमता और उसकी गुणवत्ता के आधार पर तय की जाती है।



कर्मवीर बताते हैं कि मुरहा किस्म के इस भैंसे के मां-बाप भी उसके पास ही थे। उनके यहां ही इसका जन्म हुआ है। पशुओं में शुरू से दिलचस्पी होने के चलते उन्होंने बहुत ही लाड़-प्यार के साथ 'युवराज' की परवरिश की है। इसके चलते ही सात वर्ष का 'युवराज' अब तक राष्ट्रीय पशुधन चौंपियनशिप में आठ बार चौंपियन रह चुका है। इसी क्रम में पूर्व में चप्पड़चिड़ी में हुई चौंपियनशिप के दौरान आंध्र प्रदेश के एक व्यापारी ने इसकी सात करोड़ रुपये कीमत लगाई थी लेकिन उन्होंने अपने 'युवराज' को बेचने से साफ इन्कार कर दिया था। कर्मवीर इसे नहीं बेचना चाहते हैं। जब लोग 'युवराज' को देखने के लिए आते हैं, तो उन्हें अत्यंत प्रसन्नता होती है।

पांच फुट नौ इंच ऊंचे इस 'युवराज' भैंसे की खुराक पर प्रतिदिन लगभग 2500 रुपये खर्च होते हैं। इसमें दाना, गेहूं, चने, दूध और सरसों का तेल प्रमुख तौर पर शामिल है। पशु मेले के दौरान विभिन्न पशु माहिर भी 'युवराज' की तारीफ करते हैं।श्री मुक्तसर साहिब में चल रही राष्ट्रीय पशुधन चौंपियनशिप में कुरुक्षेत्र के गांव सुराया के कर्मवीर का भैंसा 'युवराज' सबके आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

ब्रिटेन में पेरिस जैसे हमले की साजिश रच रहा है अलकायदा

लंदन। आतंकी संगठन अलकायदा ब्रिटेन में पेरिस की साप्ताहिक पत्रिका शाली अब्दो की तर्ज पर हमला करने की साजिश रच रहा है। ब्रिटिश खुफिया एजेंसी एमआइ-5 के महानिदेशक एंड्रयू पार्कर ने यह चेतावनी दी है।



पार्कर ने चेतावनी दी है कि ब्रिटेन में भी पेरिस की तरह सामूहिक हत्याकांड को अंजाम देने की आशंका बढ़ती जा रही है। लोगों को सावधान करते हुए पार्कर ने कहा कि हाल के महीनों में ब्रिटिश पुलिस व एमआइ-5 ने मिलकर आतंकियों की तीन साजिशों को नाकाम किया है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां आतंकियों के हर नापाक प्रयास को नाकाम नहद्ध कर सकती। उन्होंने कहा कि हम (एमआइ-5) व हमारे सहयोगी इसे रोकने की पूरी कोशिश में जुटे हैं, लेकिन हमलोग यह भी समझते हैं कि हर चीज को रोका नहद्ध जा सकता। हालात पहले से ज्यादा मुश्किल होते जा रहे हैं। इसके बावजूद हमें विश्वास है कि हमलोग माकूल जवाब देने में सक्षम हैं।

माना जा रहा है कि सीरिया गए 600 ब्रिटिश नागरिकों में अच्छी-खासी संख्या में लोग इस्लामिक स्टेट में शामिल हो गए। पेरिस हमले के बाद एमआइ-5 ने कट्टरपंथियों की निगरानी बढ़ा दी है। खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक, अलकायदा ब्रिटिश जिहादियों की मदद से ही हमले करवाने की फिराक में है।

सहवाग ने दी टीम इंडिया को शुभकामनाएं

गुडगांव। आइसीसी क्रिकेट विश्व कप 2015 के आयोजन से पहले क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह का संचार करने के लिए यहां के साइबर हब में क्रिकेट विश्व कप की ट्रॉफी पेश की गई और साथ ही लोगों ने एक लंबे शविशिंग बैटश पर टीम इंडिया के लिए शुभकामना संदेश लिखे। इस मौके पर क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने भी टीम इंडिया को अपनी शुभकामनाएं दी। सहवाग ने कहा, श्हम विश्व कप खेलने जा रहे हैं और मौजूदा चाँपियन हैं, इसलिए मुझे उम्मीद है कि हम अच्छा करेंगे और इस ट्रॉफी को भारत लाकर देश के लोगों को खुशी का मौका देंगे। मैं आइसीसी और एलजी का मुझे यहां लाने और आप सब से मिलने एवं ट्रॉफी को दोबारा उठाने देने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। हमने 2011 में विश्व कप जीता था और ट्रॉफी के साथ काफी समय बिताया और मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे दोबारा ट्रॉफी के साथ और आप लोगों के साथ कुछ समय बिताने का मौका मिला। ट्रॉफी का दौरा कोलकाता से शुरू हुआ था और दिल्ली एनसीआर के बाद इसे हैदराबाद और मुंबई ले जाया जाएगा।



भारत दौरे में खुली हवा में सांस नहीं ले सकेंगे ओबामा

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा अपनी दिल्ली की यात्रा के दौरान फेफड़ों पर बुरा असर पड़ने के डर की वजह से खुले वातावरण में रहने से बचेंगे। कुछ समय पहले अमेरिकी दूतावास ने दिल्ली की हवा में प्रदूषण पर एक रिपोर्ट तैयार की थी।



ओबामा के दौरे पर चर्चा करेंगे कैरी

इसमें बताया गया था कि यहां की हवा से सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है इसीलिए ओबामा दिल्ली में खुले वातावरण में नहद्ध रहेंगे। बराक ओबामा इस बार भारत के गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। सूत्रों के अनुसार परेड देखने के लिए वे करीब 2 घंटे लगातार बुलेटप्रूफ केबिन में बैठेंगे। इससे उनकी सुरक्षा भी ठीक रहेगी और वह प्रदूषण से भी बचेंगे। ओबामा दौरे को लेकर होटल मोर्या शेरेटन के तीन फ्लोर सील

ओबामा की यात्रा को लेकर गृहमंत्री ने की उच्चस्तरीय बैठक

हालांकि अमेरिकी दूतावास से इस बात की पुष्टि नहद्ध की है। वैसे सूत्र यह भी बताते हैं कि दो घंटे के इस लंबे कार्यक्रम से अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों को आपत्ति है। ओबामा का प्रोटोकॉल उन्हें 20 मिनट ही एक जगह बैठने देता है।

Antibiotic Resistance Now a Major Threat to Global Public Health, Warns Nobel Laureate

"I think one of the current issues globally is the increasing use of antibiotics and the increasing resistance to antibiotics. If that keeps growing, we are going to be in real trouble," said Warren, who was in Mumbai for the 102nd Indian Science Congress.

Warren also said, "Doctors should stop prescribing antibiotics when they are not needed."

"A doctor shouldn't prescribe an antibiotic to a patient, if he/she knows that the antibiotics are not going to be of any assistance. However, some doctors tend to prescribe antibiotics because of pressure from their patients," he said.

Asked if he noticed a decline in prescription of antibiotics after a report by the World Health Organization (WHO), the Australia scientist said, "The situation is not a disaster yet, but could easily become one. I haven't seen things improving after the report."

Dr John Robin Warren awarded the Nobel for his work in Physiology in 2005 for his discovery on the 'bacterium Helicobacter pylori' and its role in gastritis and peptic ulcer diseases.

"When we began our journey, scientific and technological tools were not advanced. It was believed that bacteria couldn't grow in stomach, good biopsies were rare, and there were no clinical specimens.

Gastritis was not understood well, but we refused to be discouraged, kept experimenting with determination. After years of dedicated hard work, we discovered the bacterial strain," he said.

"It was a quite a miracle and opened new vistas in discovering treatments for Gastritis and peptic ulcers for making the life of human beings more productive and healthy," Warren added.

Complete Health Care Under One Roof

KHUSHI MEDICAL CLINIC & RESEARCH CENTRE

Dr. Dwivedi's

KHUSHI MEDICAL & RESEARCH CENTER

(A Multi-Speciality Medical-Health Center)

SHOP-15/107, 15/25, Ganesh Market, , Near C-Block Chauraha, Opposite Hanuman Mandir, Indira Nagar, Lucknow-226016

Phone : 9450097512 * 8090111100

E-mail: kmrc.india@gmail.com

PATHOLOGY

Dr Lal PathLabs

भारत का सर्वश्रेष्ठ एवं विश्वसनीय पैथालाजी नेटवर्क

HOMEOPATHY

Khushi Homeopathic Clinic & Research Center

Lucknow's Best Homeopathic Research Center for Chronic Diseases

PHYSIOTHERAPY

Khushi Physiotheraphy Clinic & Research Center

Finest Physiotherapy Clinic with Modern Machines and Complete Rehabilitation

Homeopathic Consultation • Pathology • Physiotherapy

Homeopathic Pharmacy • Diagnostics • Health Check-ups

Have You Looked Into Working From Home?

Sameer Malik from Delhi, India never thought about trying to make a living on the internet, until he read about making money online and filled out a simple online form. In a very short time, he realized he had stumbled across something big, a way to provide for his wife and children and make his parents proud. Sameer's story has gone viral and we decided to feature his story in our weekly Employment report. In our phone interview he told me his amazing story. "I actually make Rs.1,80,000 - 2,50,000 a month from home. It's enough to easily replace the income from the 3 jobs I was working, especially considering I only work about 15-20 hours a week from my home.

Sameer says anyone can get cheques like this

Working online has been a big break for Sameer, who has been unemployed for months, unable to find a decent job. "I lost my job right as our newest child was born, I needed stable income, I wanted to avoid the "get rich quick" scams that seem to be all over the internet. The pyramid scams or programs where you have to sell to your friends and family. I really needed a legitimate way to earn money to support my family. The best part about this is working from home and having more time with my kids. Thanks to the Digital Money India I am giving my kids the childhood they deserve and my wife is happier then ever. Additionally my family is proud of me, including my dad who always thought I'll never amount to anything significant."

I asked him about how all of this began and he said. "It was really simple, I filled out a short form and applied for an interview. I was lucky enough to be accepted and within two weeks I was making over Rs.1,80,000 a month. It's really simple, I am not trained in computers, but I know how to use the internet. I was happy to find that I didn't have to sell anything to anyone. Large companies are always recruiting people for this, so you'd be missing out on something big if you didn't try it." The companies that recruit for this are worth over 100 billion dollars and most of the fortune 500 companies use them. Companies include the likes of Amazon, Google, Walmart, Delta, Apple and many more. You're working with the top ranked sites in the world, over 50 percent of all internet visitors see them each day. It's not widely known but they have been helping people make money at home for over 5 years. You have to ask yourself why wouldn't you want to get in with the biggest companies on the internet? There are a lot of scams on the internet that will make claims that you can earn Rs.5,00,000/month, but these are obvious scams. From my interview with Sameer, "I am finally making a stable income and from working at home, less than a year ago I was out of a job in a very tough economy. I thank God every day that I found this opportunity and filled out that form."

Cancer is Often Caused by Lifestyle Factors Than Innate Biology

Cancer Council Queensland spokeswoman Katie Clift said, "The key to reducing cancer incidence lies in prevention, for example, about 47,000 breast cancer deaths worldwide could be avoided every year if physical inactivity was eliminated as a risk factor. It is also important that all eligible women had breast screens and took part in vaccination programs to reduce cancer rates, since an early detection is also vital."

Clift suggested that people should visit their GP's regularly and discuss any symptoms or body changes and look for lifestyle changes to reduce their cancer risk. She also urged smokers to give up the habit and said, "Tobacco use was the cause of most preventable cancers, adding by 2030, tobacco is projected to kill eight million people annually, unless people continue to introduce initiatives that help existing smokers quit and prevent others from taking up the lethal habit." Other risk factors for cancer included diet, obesity, occupational carcinogens and infectious agents.

How Avocado Can Help With Weight Management

Avocado is a fruit, which has a creamy texture. It is native to Mexico and Central America and is rich in monounsaturated fat that is easily burned for energy. It is believed that consumption of avocado increases your healthy fat and calorie intake without seriously increasing protein or carbohydrate intake. It is known to have the slow burning and protective monounsaturated fats, which is important for a healthy heart. It is also a rich source of potassium and helps in balancing the vital sodium to potassium ratio.

Avocado Nutrition Facts

Good source of heart healthy fat

• Avocado is rich in healthy fats, which is important for maintaining good health and even losing weight to some extent. About 100 grams of avocado has a total of 15 grams of fat. It is abundant in monounsaturated oleic acid, which is the same beneficial healthy fat found in olive oil.

• Numerous studies have demonstrated that diet rich in oleic acid can significantly reduce high levels of LDL cholesterol (bad cholesterol) and increase levels of protective HDL cholesterol (good cholesterol). Thus avocado contributes to a reduced risk of heart disease and improved cardiac health.

• Another benefit of avocado is in losing weight because oleic acid to be used by the body as a slow burning energy source when compared to saturated fat.

Rich in antioxidants

s Avocado contains a wide array of antioxidant carotenoids such as beta-carotene, alpha carotene, beta-cryptoxanthin, chrysa nthemaxanthin, violaxan thin, neoxanthin and neoch rome. Antioxidants are known to protect your body's cells from free radical damage that leads to the visible signs of ageing and a variety of diseases like cancer.

• The other two special antioxidants found in avocado are lutein and zeaxanthin, which are proven to reduce the risk of developing age-related macular degeneration (the leading cause of blindness in the elderly) and cataract.

Phytosterol-rich fruit

• Beta-sitosterol is the main phytosterol found in avocado. It is structurally similar to cholesterol and is known to block its absorption during digestion.

• Due to its anti-inflammatory properties, it is useful in preventing diseases of inflammation like arthritis and heart disease.

Packed with vitamins and minerals

• Avocado is a rich source of vitamin C, vitamin E, B vitamins, folate and vitamin K. Manganese, copper, magnesium and potassium are the main minerals found in avocado.

• Vitamin C not only protects against heart disease, but is also known to improve circulation, boost your immunity and enhance collagen production for beautiful skin.

• Vitamin E is a strong antioxidant that protects your skin from free radical damage which causes wrinkles, sagging skin and other visible signs of aging.

• Folate is known to reduce homocysteine levels in the blood (a consistent marker for cardiovascular disease) and thus cuts the risk of developing heart disease.

• Vitamin K plays a vital role in controlling many diseases such as osteoporosis, diabetes and cardiovascular disease.

Fiber-rich

• Avocado is rich in fiber content which helps in improving digestion and also in lowering cholesterol. The fiber along with the healthy fats in avocado fills you up quite well to the extent of reducing hunger and cravings.

Avocado in weight management

• When you are trying to lose weight, you would most likely think of cutting down on fats and calories. Most of us believe that they get fat by eating fat. This is not really true because the way we consume fatty acids in our diet affects whether we gain or lose weight. Research has shown that some dietary fats, like the fats found in avocado, can help with weight loss. Avocado is also one of the metabolism enhancing food with their high levels of monounsaturated fats.

• Considering the fact that 100 grams of a fresh avocado provides nearly 160 calories, but it has to be noted that more than two thirds of those calories actually come from monounsaturated oleic acid, which is more likely to be utilized by your body as a slow burning source of energy compared to saturated fats.

• Avocado increases satiety and gives you a feeling of fullness after you eat it due to:

• high in calories and healthy monounsaturated fats

• rich buttery taste

• good levels of protein

• low levels of carbohydrate

• high fiber content

• A high carbohydrate meal which includes foods such as rice, bread, potatoes or pasta, usually causes significant increase in hunger due to the effect it has on the insulin levels in your blood. It has been demonstrated that increasing your intake of monounsaturated fats provides marked improvement in insulin sensitivity and glycemic, which is considered to a be a vital factor in weight gain and developing diabetes.

• On the other hand, fruits such as avocado have the ability to increase the nutrition that one would receive from a meal and satisfy your hunger quicker. This leads to most people eating less and thus has a tremendous effect on weight loss. Avocado is thus considered as an effective weight loss food when added to a healthy eating plan.

• Avocado is also high in omega-9 fats, which is known to aid in the absorption of fat soluble vitamins from the foods they are eaten with.

A study was conducted in 26 subjects to see how the consumption of avocado affected the person's satiety and blood sugar levels in particular. The results of the study which were published in the journal Nutrition, revealed that subjects who ate half of a fresh avocado along with their lunch reported a 40% decrease in the desire to eat during the three hours following their lunch and a 28% decreased desire to eat 5 hours following their lunch in comparison to the subjects who ate regular lunch (i.e., without avocado). The avocado eating group also reported feeling 26% more satisfied after their lunch as compared to the other group. The researchers also observed that by eating the avocado, the participants had an increased calorie and carbohydrate intake, however no increase in blood sugar levels were seen.

Tips to lose weight with avocado

• Remember that by just counting calories, limiting fat intake and starving yourself does not always help to lose those extra pounds.

• Eat fresh, unprocessed foods, which have plenty of vitamins and minerals to have lasting effect on your body.

• Breakfast is considered the most important meal of the day, so never skip it. Try making an avocado omelette by simply adding diced avocado to a beaten egg. You can also add other vegetables of your choice such as mushrooms, spring onions, tomatoes etc and spice it up with some black pepper powder and salt. This protein-packed omelette is not only healthy, but will keep you full for a while and provide longer lasting energy as compared to toast or cereal.

• Make your own sandwich by adding few slices of avocado to lettuce and tomato using whole grain bread and fat free mayonnaise. This is a healthier option as compared to the traditional "BLT sandwich" which is typically loaded with fats. Alternatively, you could use some mashed avocado as a spread for sandwiches; you will love the creamy texture and the flavor!

s Adding diced avocados to any kind of vegetarian salad (one kind is to use cooked beans such as pinto or garbanzo beans) or chicken and mango salad is a great option to start off a meal.

s Keep a jar of guacamole (traditional dish made with avocado) handy. To prepare guacamole, simply add garlic and diced tomato to some mashed avocado. This is a great tasting dip to snack on with some low fat crackers or vegetables of your choice.

So if your New Year resolution is to lose some weight and stay healthy and fit, try going the avocado way! Charge up your metabolism and make weight loss even easier. Consider adding the heart-healthy, creamy avocado to your daily meal and see the difference for yourself!

UN General Ban Ki Moon Aims to Provide Universal Energy Access to All by 2030

Ban said, "I am very happy and encouraged that India is now taking the lead in sustainable energy for world initiative. The proposed sustainable development goals are intended to be transformational and that they cover many areas, including ending poverty and hunger; ensuring access to healthcare, education and energy; promoting economic growth and decent work; and building resilient infrastructure."

American Society of Anesthesiologists' Guidelines About How Patients Can Make Surgery Safer

The ASA studies revealed that most people are unaware of the role the physician anesthesiologist has in taking care of patients before, during and after surgery, and how patients can work with this medical specialist as they prepare for their surgery. Dr. Abenstein said, "Patients know that the physician anesthesiologist puts them to sleep before surgery but they know little about the medical care and services we provide. We encourage everyone to learn more about the importance of asking questions and sharing information about their lifestyle, health, family history and even their fears about anesthesia and surgery before any procedure."

In conjunction with Physician Anesthesiologists Week 2015 (January 11-17), ASA offers the following tips for a safe surgery and anesthesia experience-

1. Know who will be administering anesthesia. The anesthesia care team should be led by a physician anesthesiologist, a medical doctor specializing in anesthesia, pain and critical care medicine, who works with your surgeon and other medical personnel to develop and administer your anesthesia care plan. Physician anesthesiologists help ensure safe and high-quality care.

2. Meet your physician anesthesiologist. During this meeting, provide detailed information about your health and lifestyle because certain medical conditions and lifestyle habits can make a difference, and your doctor can adjust your care plan accordingly. Do you have diabetes, lung problems, kidney disease or any allergies? What medications do you take, including over-the-counter (OTC) and herbal/natural medications? Have you or your family ever had a bad reaction to anesthesia or pain medication, even several years ago? Even things that may seem minor to you can be important. Do you smoke? Do you snore? Do you have a sedentary life? How far can you walk?

3. Do not hesitate to tell your doctor that you are afraid. It is natural to fear surgery and anesthesia, and your physician anesthesiologist can give you information to put your mind at ease. Feeling safe is critical to have a positive and safe surgery experience.

4. Be prepared and ask any questions that may be on your mind. Do ask about the credentials and experience of your care team. You should also ask for any and all details you want about the procedure and the anesthesia.

5. Discuss about your recovery. The anesthesia care team continues to care for you even after your surgery. Ask your physician anesthesiologist about how your pain will be managed after your procedure and any concerns you have about recovery, returning home and getting back to your normal routine.

Frequency of Checking Your Email can Reduce Stress

Some of the study's 124 adults, which included students, financial analysts medical professionals and others, were instructed to limit checking email to three times daily for a week. Others were told to check email as often as they could, which turned out to be about the same number of times that they normally checked their email prior to the study.

These instructions were then reversed for the participants during a subsequent week. During the study period, participants also answered brief daily surveys, including information about their stress levels.

Kostadin Kushlev, the study's lead author and a PhD candidate at UBC's Dept. of Psychology, said that the findings showed that people felt less stressed when they checked their email less often.

He added that most participants found it quite difficult to check their email only a few times a day, which makes their obvious-in-hindsight findings so striking: People find it difficult to resist the temptation of checking email, and yet resisting this temptation reduces their stress.

The study is published online in Computers in Human Behavior.

Hyaluronon Protects Against Premature Births Caused by Infection

According to the World Health Organization, preterm birth from infection is the leading cause of infant mortality in many countries, with as many as 1.09 million children under age 5 dying from direct complications of being born prematurely, meaning before the 37th week of pregnancy.

Hyaluronon is a natural substance found in several tissues, and is both a lubricant and a beneficial component of eyes, joints, and skin. It has been known to play a role in increasing the cervix's flexibility during the birth process. However, mice studies have revealed that HA is not essential for increased cervical pliability during late pregnancy. But, it plays an important barrier role in epithelial cells of the lower reproductive tract and thus protects against infection-related preterm birth.

Dr. Yucel Akgul, first author of the study said, "HA plays a crucial role in the epithelial barrier as well as the cervix's mucus. Next steps include determining the mechanism by which HA affects cervical protection against infection."

The study appears in the Journal of Clinical Investigation.

American Rapper Eminem Fulfills Terminally Ill Fan's Wish by Visiting Him in Person

Gage Garmo, who might only live for another week, wanted to meet the American rapper and therefore, Garmo's friends and family started up the hashtag # Get Gage Garmo To Meet Eminem.

Eminem then arranged for a home visit at Gamo's place in Michigan and spent around an hour with him.

With Best Compliments from :

NIDHISH MEDICALS

S-15/10, Ganesh Market, Indiranagar, Lucknow.

Ph.:9415797272

ॐ

SHIVA MEDICALS

We stock & Sale Quality Medicine

S-15/8, Ganesh Market Near Hanuman Mandir Indiara Nagar, Lucknow - 226 016

Cell : 9935832385

Dr Lal PathLabs

Where Quality, Service, Innovation is A Way Of Life

KHUSHI MEDICAL & RESEARCH CENTRE

S-15/107, Ganesh Market, Indira Nagar, Lucknow-16, Ph.: 0522-3015680, 8090111100, 9450097512

Services Offered:Deals in More Than 1600 Pathology Tests.The Lab Is NABL & CAP Certified.

डॉ लाल पैथलैब्स, भारत की अग्रणी सर्वाधिक प्रतिष्ठित डायग्नोस्टिक श्रंखला है, जो आपको ऐसी विश्वस्तरीय सेवायें देता है, जिस पर पूरे भारत में लाखों ग्रहक एवं हजारों डाक्टर भरोसा करते हैं।आज की भागदौड वाली जिन्दगी व हरपल बदलती जीवनशैली के कारण हमारा शरीर कई बीमारियों को बुलावा दे रहा है। यह जानना आवश्यक है कि हमारे शरीर के अंदर क्या चल रहा है ओर इसलिये हमें समय –समय पर किसी अच्छे विशेषज्ञ से जॉच करानी चाहिये । हम आपके पूरे स्वास्थ्य के लिये आवश्यक परीक्षणों की श्रेणी की विशेष योजना लाये हैं , जो आपके इस बदलते मौसम से लडने के साथ ही साथ स्वस्थ रहने में मदद करेगी ।जॉच कराइये सबसे बेहतर से और स्वस्थ रहिये ।

Sadbhawana Hospital

Sarvoday Nagar, Lucknow.



"Multispecialty" Sadbhawana Hospital is a landmark tertiary care health destination managed by highly experienced group. First of its kind in Lucknow, the 50+ bedded hospital has the state-of-the-art technology over virtually all specialties. The technology advantage is complemented by the man power excellence providing sophisticated and specialized medical care at affordable cost. With a team dedicated in bringing you a world of care with every visit. "World-class medical care, friendly, devoted service and affordability are the key features in our every touch."

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक अम्बरीश द्विवेदी द्वारा यज्दा ए काम्यूनीकेशन ग्रुप, 336 प्रिन्स काम्प्लेक्स, हज़रतगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-695, इन्दिरा नगर, लखनऊ से प्रकाशित किया। RNI No.: UPBIL/2012/46720

सम्पादक : अम्बरीश द्विवेदी कार्यकारी सम्पादक : एस.एन.लाल सम्पादकीय सलाहकार : मनोज तिवारी प्रबन्धक : एस.पी.द्विवेदी

सम्पर्क : 9450097512, 0522-4001081, 9307282052, e-mail: khushisamay.india@gmail.com , शाखा कार्यालय : 338, तृतीय तल, प्रिन्स काम्प्लेक्स, हज़रतगंज, लखनऊ, रामाज्ञा, गोईन रोड, अमीनाबाद, लखनऊ